समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 26 September 2026

आईएनएस एंड्रोट : भारतीय नौसेना का नया एंटी-सबमरीन वॉरशिप, दुश्मनों के लिए बनेगा काल

Publisher

Published on 06 Oct 2025

भारतीय नौसेना अपने बेड़े को लगातार आधुनिक और सशक्त बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। इस दिशा में नया कदम है भारतीय नौसेना का सबसे बड़ा एंटी-सबमरीन वॉरशिप, 'आईएनएस एंड्रोट'। यह जहाज अपनी अत्याधुनिक तकनीक, सेंसर और हथियारों के कारण समुद्र में दुश्मनों के लिए एक चुनौतीपूर्ण ताकत साबित होने जा रहा है।

आईएनएस एंड्रोट का नाम भी विशेष महत्व रखता है। भारतीय नौसेना ने इसे 'एंड्रोट' नाम इसलिए दिया है क्योंकि यह दुश्मन के लिए खतरे की घोषणा करता है और भारतीय समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा में नई पहचान जोड़ता है। यह नाम भारतीय नौसेना की रणनीतिक सोच और आधुनिक युद्ध तकनीक को दर्शाता है।

जहाज में कई अत्याधुनिक सेंसर और उपकरण लगे हैं, जो इसकी ताकत को और बढ़ाते हैं। इसमें लगाए गए सोनार सिस्टम्स की मदद से यह पानी के भीतर दुश्मन के पनडुब्बियों का पता लगा सकता है। इसके अलावा, आईएनएस एंड्रोट में विशेष हथियार प्रणाली और मिसाइल सिस्टम भी शामिल हैं, जो इसे एंटी-सबमरीन युद्ध के लिए अत्यंत सक्षम बनाते हैं।

आईएनएस एंड्रोट का निर्माण भारतीय नौसेना की जरूरतों और समुद्री सुरक्षा की दृष्टि से किया गया है। यह जहाज लंबी दूरी तक दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रख सकता है और समय रहते प्रतिक्रिया कर सकता है। इसकी गति, शक्ति और सतर्कता इसे किसी भी विदेशी पनडुब्बी और जहाज के लिए चुनौतीपूर्ण बनाती है।

जहाज के निर्माण में भारतीय इंजीनियरों ने नवीनतम तकनीक का इस्तेमाल किया है। इसे विशेष रूप से डिजाइन किया गया है ताकि यह कठिन समुद्री परिस्थितियों में भी स्थिर और प्रभावी तरीके से काम कर सके। आईएनएस एंड्रोट में लगे सेंसर और हथियारों की प्रणाली इसे किसी भी एंटी-सबमरीन ऑपरेशन के लिए तैयार बनाती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि आईएनएस एंड्रोट भारतीय नौसेना की ताकत को कई गुना बढ़ा देगा। समुद्र में इसकी उपस्थिति से न

केवल भारतीय समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा मजबूत होगी, बल्कि यह क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय नौसेना की क्षमता को भी प्रमाणित करेगा।

जहाज की डिजाइन और तकनीकी विशेषताएं इसे अन्य एंटी-सबमरीन युद्धपोतों से अलग करती हैं। आईएनएस एंड्रोट में लगे अत्याधुनिक कंप्यूटर और नेविगेशन सिस्टम इसे सटीक और प्रभावशाली संचालन की क्षमता देते हैं। इसके अलावा, जहाज में सुरक्षा प्रणालियों का भी विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि किसी भी अप्रत्याशित घटना में जहाज और दल के सदस्य सुरक्षित रहें।

आईएनएस एंड्रोट का संचालन भारतीय नौसेना के विशेषज्ञ दल द्वारा किया जाएगा, जो इसके सभी उपकरणों और हथियारों का कुशलता से उपयोग कर सके। यह जहाज समुद्र में लंबे समय तक निगरानी और रक्षा कार्य कर सकता है, जिससे समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में भारतीय नौसेना की स्थिति मजबूत होगी।

इसके अतिरिक्त, आईएनएस एंड्रोट की उपस्थिति समुद्री सीमाओं पर किसी भी तरह की खतरे की स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करती है। यह जहाज भारतीय नौसेना के बेड़े में नई तकनीकी और सामरिक क्षमताओं का प्रतीक बन गया है।

आईएनएस एंड्रोट भारतीय नौसेना के लिए न केवल एक सशक्त एंटी-सबमरीन युद्धपोत है, बल्कि यह नौसैनिक तकनीक और रणनीति में नए मानक स्थापित करने वाला जहाज भी है। इसकी मौजूदगी से भारतीय समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा और ताकत दोनों का संतुलन मजबूत होगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.